

चली जा रही है उम्र धीरे धीरे

चली जा रही है उम्र धीरे धीरे,
पल पल आठों पहर धीरे धीरे।

बचपन भी जाए, जवान भी जाए,
बुढ़ापा का होगा असर धीरे धीरे॥

तेरे हाथ पावों में दम ना रहेगा,
झुकेगी तुम्हारी कमर धीरे धीरे॥

शिथल अंग होंगे सब इकदिन तुम्हारे,
फिर मंद होगी नज़र धीरे धीरे॥

बुराई से मन को तू अपने हटाले,
सुधर जाए तेरा जीवन धीरे धीरे॥

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/577/title/chali-ja-rahi-hai-umar-dheere-dheere>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |